पंजाब केसरी 01/11/2025

समारोह में शामिल विद्यार्थियों को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त। (चंद्रमोहन)

राष्ट्रीय एकता के सिरमौर रहे हैं सरदार वल्लभ भाई पटेल : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 31 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में शुक्रवार को भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कॉलेज की ओर से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया, जिसमें एन.सी.सी., एन.एस.एस., वाई.आर.सी., नर्सिंग और खेल विभाग के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, समरसता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने मल्टी लेवल पार्किंग एरिया से वार हीरोज स्टेडियम तक दौड़ लगाकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश दिया।

इस अवसर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता के सिरमौर रहे हैं। उन्होंने अपने अटूट साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय एकता के संकल्प से भारत को संगठित किया। उन्होंने जिस अदम्य संकल्प, दूरदर्शिता और दृढ़ नेतृत्व से बिखरी हुई रियासतों को एक सूत्र में पिरोया, वह भारत की अखंडता का अमर अध्याय है। आज जब हम एक सशक्त, एकजुट और प्रगतिशील भारत की बात करते हैं तो उसकी जड़ें पटेल जी की उसी अद्वितीय एकता दृष्टि में मिलती हैं।

इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर सैनी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारत की एकता और अखंडता के स%चे प्रतीक थे। उन्होंने जिस प्रकार देश की 562 रियासतों को एक सूत्र में बांधा, वह विश्व इतिहास में अद्वितीय उदाहरण है। उनकी दृढ़इ%छाशक्ति, कूटनीतिक समझ और राष्ट्र के प्रति समर्पण ने यह सिद्ध किया कि स%चा नेतृत्व वही है जो मतभेदों को मिटाकर एकता स्थापित करे। आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर फिजिकल एजुकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रिजेश, एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. एस.एस. नैन, यूथ रैडक्रॉस अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. पिंकी गुप्ता, डॉ. चंद्रपाल पूनिया तथा नर्सिंग कॉलेज के शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।